देश की बड़ी कम्पनियों ने किया 5 हजार करोड़ निवेश का करार, सेना के लिए बनाएंगी आधुनिक हथियार

वीडीएल, फेरेटेरो और ग्लोबल एंजिनियर्स झाँसी में करेंगी कारोबार, सैन्य उपकरण बनाने के लिए एक दर्जन कम्पनीज ने किया करार

ड्रोन, टेस्ट फायरिंग रेंज, एयरक्राफ्ट अरेस्टर बनाने के लिए मिली जमीन

झाँसी : बुन्देलखण्ड में औद्योगिक क्रान्ति लाने के लिए निवेशकों ने पैर जमाने शुरु कर दिए हैं। देश की बड़ी कम्पनियों ने यहाँ 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश का करार किया है। यूपीडीआइसी के तहत मेक इन इण्डिया की पहल पर इन कम्पनियों ने झाँसी में सेना के हथियार और रक्षा उपकरण बनाने का फैसला किया है। यह सभी उपकरण पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए जाएंगे।

रक्षा उत्पादन केन्द्र के रूप में प्रमुख नोडल बनते जा रहे यूपीडीआइसी (उत्तर प्रदेश डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर) से संचालित रक्षा उपकरण इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के साथ 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक का करार किया है। यूपीडा की 9 दिसम्बर तक की रिपोर्ट के अनुसार यहाँ बीडीएल (भारत डायनामिक्स लिमिटेड), ग्लोबल एंजिनियर्स लिमिटेड और फेरेटेरो इण्डिया लिमिटेड जैसी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कम्पनियों से लगभग 500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। कई कम्पनियों को अधिगृहीत की गयी 1,087 हेक्टेयर में से 415.59 हेक्टेयर भूमि आवण्टित की जा चुकी है। इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिषेक प्रकाश के अनुसार ग्लोबल एंजिनियर्स लिमिटेड ने नाइट्रोसेल्यूलोज और नाइट्रो ग्लिसरीन के लिए 2,300 करोड़ रुपये, बीडीएल ने मिसाइल व रक्षा सम्बधी निर्माण के लिए 400 करोड़ रुपये, फेरेटेरो इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड ने एयरक्राफ्ट अरेस्टर बैरियर नेट्स और अन्य रक्षा उपकरण निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये, सवर्ण इनफ्राटेल प्राइवेट लिमिटेड ने ईएमसी शेल्टर और सुरक्षा टावर बनाने के लिए 3 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

यह कम्पनि कर रहीं निवेश

ऑप्टिक इलेक्ट्रॉनिक इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड 800 करोड़ रुपये से छोटे हथियारों के लिए केन्द्रीय अनुसन्धान केन्द्र, टाटा टेक्नोलॉजि 500 करोड़ रुपये से कॉमन फैसिलिटि सेण्टर, पावक इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड 460 करोड़ रुपये से हथियार और गोला-बारूद के साथ टेस्ट फायरिंग रेंज, नवभारत डिफेंस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड 322 करोड़ रुपये से टीएनटी, एनसी-एनजी, आरडीएक्स और अन्य प्राथमिक विस्फोटक, डब्ल्यूबी इलेक्ट्रॉनिक्स 209 करोड़ रुपये से रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने, वेरिविन म्यूनिशंस प्राइवेट लिमिटेड 208 करोड़ रुपये से अन्य रक्षा उपकरण इकाई स्थापित करेगी। इसके अलावा कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कल्याण डेफटेक एलएलपी (ड्रोन निर्माण और पहचान प्रणालियों पर केन्द्रित), नेक्स्टस्ट्रैट टेक विजन एलएलपी, स्पेसफील्ड प्राइवेट लिमिटेड (ठोस प्रणोदकों के लिए) और ग्लोबल टेक्नोक्रेट्स प्राइवेट लिमिटेड (मानव रहित जमीनी वाहनों, ड्रोन और दहनशील कारतूस मामलों के लिए) ने लगभग 200 करोड़ रुपये, सोकिंगटन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने 120 करोड़ रुपये से हथियार, गोला-बारूद और पुर्जे, शान आर्म्स इण्डस्ट्रीज ने 100 करोड़ रुपये की लागत से रक्षा उपकरण बनाने की इकाई स्थापित करने का करार किया है।

फाइल फोटो

इन्होंने कहा

' झाँसी नोड उत्तर प्रदेश डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर न केवल बुन्देलखण्ड क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी साकार कर रहा है। साथ ही यह सरकार के 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति दे रहा है।'

अभिषेक प्रकाश
मुख्य कार्यपालक अधिकारी,
इन्वेस्ट यूपी।